होमी भाभा भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पिता - GK नोट्स का PDF डाउनलोड करें!

होमी जहांगीर भाभा वह व्यक्ति है जिन्होंने भारतीय परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम का नेतृत्व किया। वह परमाणु भौतिक विज्ञानी थे जिन्होंने भारत में परमाणु अनुसंधान की नींव रखी थी। उन्हें भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पिता के रूप में जाना जाता है। उनका जन्म 30 अक्टूबर 1909 को हुआ था। हम 30 अक्टूबर को हर साल इस महान व्यक्ति की जयंती मनाते हैं। महान भौतिक विज्ञानी होमी भाभा के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए इस लेख को पढ़ें और इसे पीडीऍफ़ में डाउनलोड करना भी न भूलें।

क्विक फैक्ट्स

पूरा नाम	होमी जहांगीर भाभा
राष्ट्रीयता	भारतीय
जन्मदिन	30 अक्टूबर 1909
आयु में मृत्यु हुई	56
जाना जाता है	भारतीय परमाणु कार्यक्रम के पिता
मृत्यु हुई	24 जनवरी 1966
मौत का कारण	विमान दुर्घटना

होमी भाभा के प्रमुख योगदान

प्रीमियर संस्थानों का निर्माण

- दूरदर्शी और उद्योगपति दोराबजी जमशेदजी टाटा के समर्थन से 1945 में टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना बॉम्बे में भौतिकी, रसायन विज्ञान, इलेक्ट्रॉनिक्स और गणित में बड़े पैमाने पर शोध करने की सुविधाओं के साथ की गई थी।

- देश के लाभ के लिए परमाणु ऊर्जा का शोषण करने के प्रयास को तेज करने के लिए, डॉ. होमी भाभा ने भारत के परमाणु कार्यक्रम के लिए आवश्यक बहुआयामी अनुसंधान कार्यक्रम के लिए जनवरी 1954 में परमाणु ऊर्जा प्रतिष्ठान, ट्रॉम्बे (एईईटी) की स्थापना की।
- 1966 में भाभा के दुखद निधन के बाद, एईईटी का नाम भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) रखा गया।

परमाणु ऊर्जा आयोग

- उन्होंने 1948 में परमाणु ऊर्जा आयोग के निर्माण और 1954 में परमाणु ऊर्जा विभाग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने तीन चरणीय परमाणु कार्यक्रम की कल्पना की जिसमें एक पूर्ण सर्कल के साथ उन्नत परमाणु रिएक्टरों में प्राकृतिक यूरेनियम, थोरियम और प्लूटोनियम का उपयोग शामिल था।
- इस वजह से, उन्हें भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के पिता कहा जाता था।

नील्स बोहर के साथ काम किया

- होमी जे भाभा परमाणु ऊर्जा और कॉस्मिक किरणों के क्षेत्र में भारत में क्रांति लाने वाले वैज्ञानिकों में से एक थे।
- जब वह छात्र थे तब उन्होंने कैम्ब्रिज के कोपेनहेगन में नील्स बोहर के साथ काम किया।
- उन्होंने एक पेपर प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने इलेक्ट्रॉन-पॉजिट्रॉन स्कैटरिंग के क्रॉस सेक्शन को निर्धारित करने के लिए गणना की।
- नील्स बोहर ने परमाणु संरचना और क्वांटम सिद्धांत को समझने में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 1922 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार जीता।

परमाणु कार्यक्रम

होमी भाभा ने 1954 में दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्रों में पाए जाने वाले यूरेनियम और थोरियम भंडार के उपयोग के साथ भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा स्वतंत्रता को सुरक्षित करने के लिए 3 चरणों में परमाणु कार्यक्रम तैयार किया। इसका मुख्य उद्देश्य भारत के विशाल थोरियम रिजर्व पर पूंजीकरण करना था जबकि इसके कम यूरेनियम भंडार के लिए लेखांकन

करना था। इस परमाणु कार्यक्रम के 3 चरण निम्न हैं:

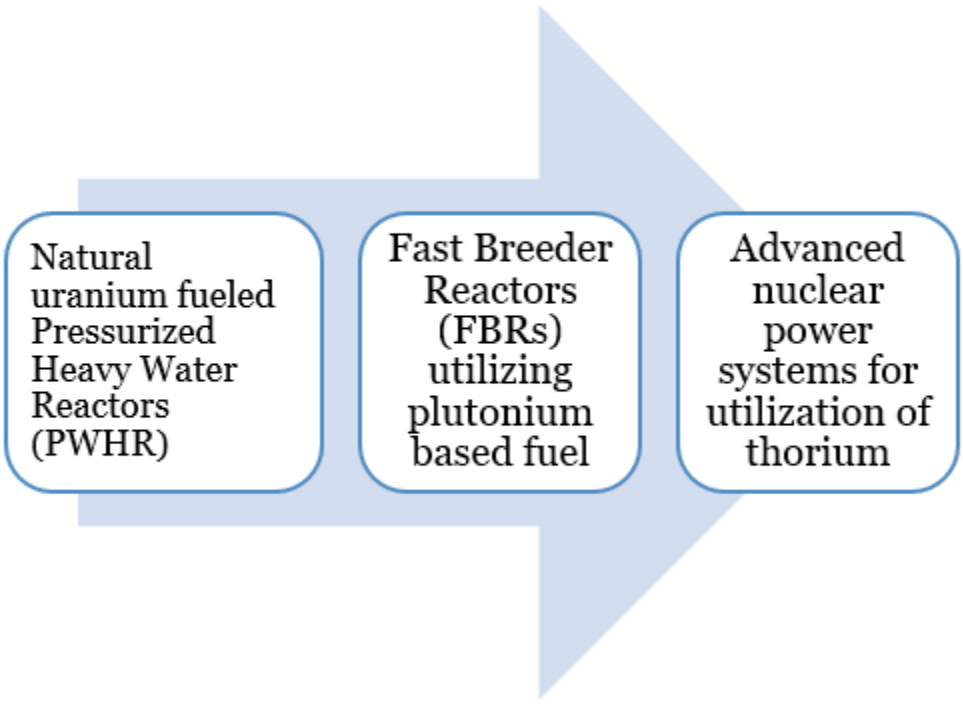

प्रमुख उपलब्धियां

- 1954 में, उन्हें विज्ञान और इंजीनियरिंग में उनके अमूल्य योगदान के लिए, भारत में तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।
- वह 1955 में जेनेवा में आयोजित परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के पहले अध्यक्ष थे।
- उनके मार्गदर्शन में, भारतीय वैज्ञानिकों ने परमाणु ऊर्जा के विकास पर काम किया और एशिया में पहला परमाणु रिएक्टर 1956 में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के ट्रॉम्बे परिसर में शुरू हुआ। इसके बाद शोधकर्ताओं को पांच दशक से अधिक समय तक समर्पित सेवा प्रदान करने के बाद इस रिएक्टर को 2009 में बंद कर दिया गया।
- होमी जहांगीर भाभा ने इलेक्ट्रॉन शावर के कैस्केड सिद्धांत पर वाल्टर हेटलर के साथ भी काम किया, जो ब्रह्मांडीय विकिरण की समझ के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।
- होमी भाभा को भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालयों से कई मानद डिग्री प्राप्त हुईं और साथ ही वे संयुक्त राज्य अमेरिका में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज समेत कई वैज्ञानिक सोसाइटी के सदस्य थे। उन्होंने क्वांटम सिद्धांत और कॉस्मिक किरणों पर कई लेख भी लिखे।

होमी भाभा की मौत

- 1966 में ऑस्ट्रिया से वियना की ओर जाने के दौरान मोंट ब्लैंक के पास एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई।
- वह अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की एक बैठक में भाग लेने के लिए जा रहे थे।
- जेनेवा हवाई अड्डे और पहाड़ के पास विमान की स्थिति के बारे में पायलट के बीच गलतफहमी दुर्घटना का आधिकारिक कारण है।

हमें आशा है कि आपको यह लेख होमी जे भाभा के जन्म वर्षगांठ पर उपयोगी साबित होगा। अपने सामान्य ज्ञान को और बढ़ाने के लिए ऐसे लेखों पर नज़र डालें।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2018	नोबेल पुरस्कार विजेता 2018
भारत का योजना आयोग और पंचवर्षीय योजना	मिसाइल मैन ए पी जे अब्दुल कलाम
भारतीय स्टॉक एक्सचेंज की सूची	पराक्रम पर्व 2018

जैसा कि हम सभी जानते हैं, अभ्यास सफलता की कुंजी है। इसलिए, अब अपना अभ्यास शुरू करके अपनी तैयारी को बढ़ावा दें।

Solve Practice Questions for Free

इसके अलावा, टेस्टबुक पर अपने संदेहों का समाधान प्राप्त करने के लिए अपने साथी उम्मीदवारों और हमारे विशेषज्ञों से बात करें:

Go to Testbook Discuss